प्रसार भारती

आकाशवाणी शिमला

23.10.2025 / प्रादेशिक समाचार / 18:00बजे

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को दस दिनों के भीतर होम स्टे इकाइयों के पंजीकरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल तैयार करने के निर्देश दिए हैं। शिमला में आज एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने सभी विभागों के लिए यूजर फ्रैंडली ऑनलाइन पोर्टल तैयार करने के लिए सक्षम सॉफ्टवेयर कंपनियों की सेवाएं लेने के के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रशासनिक औपचारिकताओं को पूरा करने में तेज़ी लाने और इस प्रक्रिया को अधिक सरल बनाने पर भी बल दिया। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रदेश पर्यटन विकास निगम की घाटे में चल रही इकाइयों के संचालन और रख–रखाव की प्रक्रिया में तेज़ी लाने के निर्देश भी दिए ताकि पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा सके।

शिक्षा मंत्री

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा है कि प्रदेश सरकार राज्य के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। ये बात आज उन्होंने शिमला जिला के कोटखाई उपमंडल के देवरी खनेटी में पंचायत घर का लोकार्पण करने के बाद कही। रोहित ठाकुर ने कहा कि क्षेत्र में दस प्राथमिक स्वास्थय केंद्रों के भवनों का निर्माण किया जा रहा है और जुब्बल विद्युत मंडल के तहत 55 करोड़ रूपए की लागत से विद्युत व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया जा रहा है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि वर्तमान में क्षेत्र में सड़क निर्माण पर चार सौ करोड़ रूपए की राशि खर्च की जा रही है ताकि हर गांव को सड़क सुविधा से जोड़ा जा सके।

जयराम ठाकुर

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा है कि पंचायत चुनाव को लेकर प्रदेश सरकार लोगों और सभी हितधारकों को गुमराह कर रही है। शिमला से जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेशों के बावजूद भी अब तक आरक्षण रोस्टर जारी नहीं किया गया है, जबकि आरक्षण रोस्टर चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के तीन महीने पहले जारी करना अनिवार्य है। जयराम ठाकुर ने सवाल उठाते हुए कहा कि जब आरक्षण रोस्टर ही समय पर जारी नहीं होगा तब चुनाव समय पर कैसे हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार स्पष्ट करे कि अगर चुनाव करवाने हैं तो समय पर करवाएं नहीं तो प्रदेश के लोगों के सामने अपनी नाकामी स्वीकार करें। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार चुनाव की प्रकिया शुरू करने के बजाय चुनाव रोकने में व्यस्त है।

जी.एस.टी. उत्सव

वस्तु और सेवा कर बचत उत्सव का लाभ समाज के सभी वर्गों को पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस उत्सव की घोषणा की थी और यह 22 सितंबर से शुरू हुआ था। आज हम बता रहे है कि स्वास्थ्य क्षेत्र में जीएसटी सुधारों से नागरिकों को कैसे मदद मिल रही है। एक रिपोर्ट

सरकार ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में कर की दरों को घटाकर आम आदमी को बड़ी राहत दी है। नए जीएसटी सुधारों के तहत सरकार ने कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 36 जीवन रक्षक दवाओं को कर मुक्त कर दिया है। इस कदम से मरीजों के इलाज की लागत कम हुई है और मध्यम तथा निम्न वर्गीय परिवारों को लाभ हो रहा है। इसी तरह गॉस, पट्टियां, डायग्नोस्टिक किट, ग्लूकोमीटर तथा थर्मामीटर जैसे चिकित्सा उपकरणों पर भी कर की दरें 12: से घटकर 5: हो गई हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम को भी कर मुक्त कर दिया है जो पहले 18: जीएसटी दर का हिस्सा थे। स्वास्थ्य सेवा में इस सुधार

से प्रीमियम की कीमत कम हुई है और देश भर में बीमा कवरेज को बढ़ावा मिला है। आकाशवाणी समाचार से विशेष बातचीत में एक उपभोक्ता कमल गुरुंग ने कहा कि जीएसटी सुधारों के बाद दवाइयां सस्ती हो गई हैं और लोगों का कुल चिकित्सा खर्च कम हुआ है। हमें फायदा तो बहुत मिला हुआ है क्योंकि दूसरी जगह से इस दवाई में जो है काफी पैसे कम खर्च करने पड़ते हैं, सस्ता मिलता है और उससे हमें काफी जेब खर्च हमारी जेब हल्की हो जाती है, जबकि अच्छा–खासा हमें फायदा है, क्योंकि दूसरी दवाई के बदले में जो है सही भी है सस्ता भी है। नए जीएसटी के तहत लोगों के लिए चिकित्सा सेवाओं की लागत कम हुई है और देश भर में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली मजबूत हो रही है।

अनुराग सिंह

पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा है कि भारत मानवता, तटस्थता, निष्पक्षता और स्वतंत्रता के मूल मानवीय सिद्धातों के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्विट्जरलैंड के जिनेवा में अंतर–संसदीय संघ की आम सभा में संकट के समय में मानवीय मानदंडों का पालन विषय पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ये विचार व्यक्त किए। अनुराग सिंह ठाकुर ने आपदा तैयारी और प्रतिक्रिया के लिए भारत के मजबूत कानूनी, संस्थागत और वित्तीय ढांचे को रेखांकित किया। उन्होंने बहुपक्षीय संस्थानों को विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के अधिक समावेशी प्रतिनिधि बनाने के लिए व्यापक सुधारों का आह्वान भी किया। अनुराग ठाकुर ने पुष्टि की कि इस सभा में भारत की भागीदारी उसके सभ्यतागत मूल्यों और वैश्विक एकजुटता के प्रति समकालीन प्रतिबद्धता को व्यक्त करती हैं। जो सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के दृष्टिकोणे को मूर्त रूप देती है।